

की दृष्टि, संदेह के आधार पर ऐसी धारणाएँ स्थापित करने का वाद जो प्रचलित न हो।

संदेहवादी वि. (तत्.) 1. संदेहवाद पर विश्वास रखने वाला, संदेहवाद का दोषक 2. अनिश्चय की स्थिति पसंद करने वाला 3. हर एक को शक की नजर से देखने वाला।

संदेहात्मक वि. (तत्.) संदेह से भरा हुआ, शक से लबालब, संशय से परिपूर्ण, अनिश्चयात्मक संशयात्मक।

संदेहास्पद वि. (तत्.) 1. जिस के विषय में निश्चित रूप से कुछ भी न कहा जा सके, संदिग्ध 2. जो खतरे से खाली न हो 3. जिस का आचरण अस्पष्ट हो।

संदोल पुं. (तत्.) बाली के आकार का कान में पहनने वाला आभूषण, डोल **वि.** अच्छे नखशिख वाली/वाला, सुंदर, सुडौल।

संदोह पुं. (तत्.) 1. दूध दोहने का कार्य 2. गोधन के समूह का संपूर्ण दुहा हुआ दूध।

संद्रव पुं. (तत्.) 1. पलायन की क्रिया, छोड़ कर जाने का कार्य 2. गूँथने का कार्य।

संद्राव पुं. (तत्.) 1. दौड़ने का स्थान 2. भीड़ के तितर-बितर होने का कार्य 3. भाग जाने की क्रिया, पलायन का कार्य।

संधना अ.क्रि. (तद्.) मिलना, संलग्न होना, जुड़ जाना, साथ लग जाना।

संधाता पुं. (तत्.) निर्माण करने वाला, पालन करने वाला, भगवान विष्णु, ब्रह्मा।

संधाधिप पुं. (तत्.) 1. किसी संघ का अध्यक्ष 2. किसी धार्मिक संघ का प्रधान।

संधान पुं. (तत्.) 1. जोड़ने का कार्य, मिलाने की क्रिया, संयुक्त करने का कार्य 2. तीर के छोड़ने के लिए धनुष की डोर पर ठीक से टिकाने का कार्य 3. अनुसंधान, खोज 4. फल-फूल से मादक द्रव्य पदार्थ खींचने का कार्य 5. अचार, मुरब्बा आदि बनाने की प्रक्रिया 6. काँजी।

संधाना पुं. (तद्.) 1. कुछ एक सब्जियों अथवा आम आदि फलों का विशेष प्रकार के मसालों की सहायता से, प्राकृतिक प्रक्रिया के आधार पर बनाया गया चटपटा पदार्थ, अचार 2. **स.क्रि.** (देश.) साधना की प्रेरणात्मक क्रिया, साधने का काम दूसरे से कराना, पूरा, संपन्न या सिद्ध करना, निपटाना साधने के काम में दूसरे को प्रवृत्त करना, पशु-पक्षियों को पालतू बनाना और प्रशिक्षण देना, किसी को अपने अनुकूल बनाने का प्रयत्न करना।

संधानी स्त्री. (तत्.) 1. शराब बनाने की भट्ठी 2. पीतल आदि धातुओं को ढलाने की भट्ठी 3. अचार 4. मुरब्बा **वि.** धनुष छोड़ने में निपुण, तीर का निशाना लगाने में दक्ष।

संधि स्त्री. (तत्.) 1. मिलने का स्थान, जोड़ 2. मिलने का कार्य 3. सुलह-समझौता करने का कार्य 4. शरीर का कोई जोड़ 5. व्याकरण के अनुसार शब्दों के सन्निकट दो अक्षरों के मेल से बनने वाला तीसरा शब्द 6. चोरी करने के लिए दीवार में किया गया छेद 7. संधि कर 8. दो कालों के मिलने का बिंदु 9. श्वास और निश्वास के मध्य का क्षण।

संधिक पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का बुखार 2. जोड़।

संधिगुप्त पुं. (तत्.) प्रहार करने वालों के छिपने का वह स्थान जहाँ से वे अचानक हमला कर सकें, छापामारों के छिपने का स्थान जहाँ से अकस्मात आक्रमण संभव हो।

संधिचौर पुं. (तत्.) 1. संध लगाकर चोरी करने वाला 2. एक देश से दूसरे देश में चोरी छिपे सामान लाने वाला, तस्कर।

संधिच्छेद पुं. (तत्.) 1. संधि के आधार पर बने हुए शब्द को पुनः दो शब्दों में विभक्त करना 2. संध मारना 3. सहमति के आधार पर किए गए करार को तोड़ना।

संधिज वि. (तत्.) 1. संलग्न होने की क्रिया से उत्पन्न, संधि के आधार से बना हुआ पुं. 1. ऐसा शब्द या जो दो या दो से अधिक शब्दों की